विद्या भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

(एन.सी.इ.आर.टी पर आधारित)

कक्षा-5

विषय-संस्कृत तिथि-08/07/2020

सुप्रभात बच्चों

आज संस्कृत व्याकरण में सप्तम् पाठ 'संख्या'को समझेंगे।

सप्तम् पाठ:

संख्या

संख्यावाचक शब्दों का प्रयोग वाक्य में विशेषण के रूप में होता है।

संख्यावाचक विशेषण के रूप विशेष्य के अनुसार चलते हैं।

विशेष्य जिस लिंग और विभक्ति का होता है उसी लिंग विभक्ति में संख्यावाचक विशेषण प्रयुक्त होते हैं।

एक से चार तक की संख्याओं के रूप तीनो लिंगो में अलग-अलग होते हैं तथा पांच से आगे की संख्याओं के रूप हमेशा पुल्लिंग में चलते हैं।

	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
1.	**एषः बालक:**	**एका बालिका**	**एकम् फलम्**

	(एक लड़का)	(एक लड़की)	(एक फल)
2.	**द्वौ अश्वौ**	**द्वे छात्रे।**	**द्वे पत्रे**
	(दो घोड़े)	(दो छात्राएं)	(दो पत्ते)
3.	**त्रयः वानराः**	**तिस्र कलिकाः**	**त्रीणि आम्राणि**
	(तीन बंदरे)	(तीन कलियां)	(तीन आम)
4.	**चत्वार: गजाः।**	**चतस्र अध्यापिकाः**	**चत्वारि मित्राणि**
	(चार हाथियां)	(चार शिक्षिकाएं)।	(चार मित्रे)

5. पञ्च छात्राः (पांच छात्राएं)

6.षट् गजाः (छह हाथियां)

7.सप्त विडालाः (सात बिल्लियां)

8.अष्ट शशका: (आठ खरगोश)

9. नव मूषिकाः (नौ चुहियां)

10.दश फलानि (दस फल)

<u>गृहकार्य</u>:-

पेज नंबर-63 बनाए।

S.T-Sumita Kumari